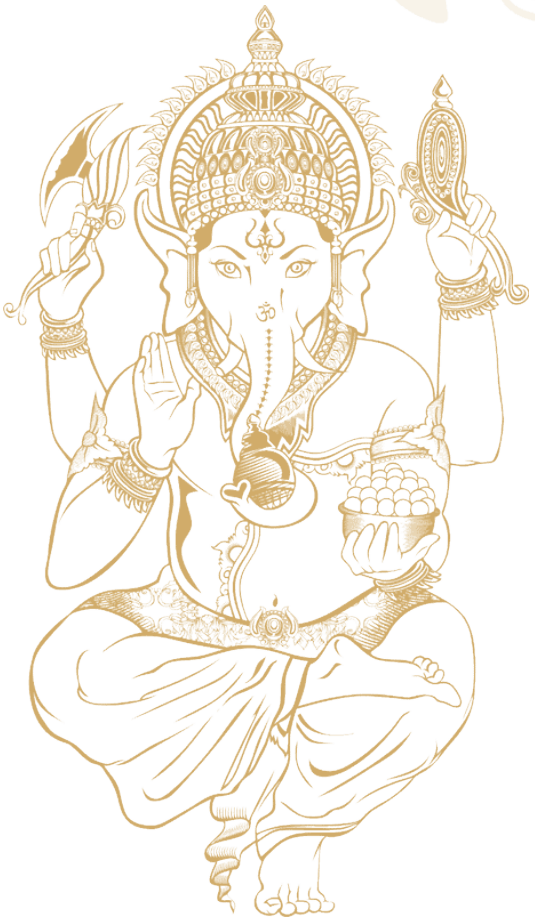

A

K

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121810703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/12/1994	जन्म तिथि	13-14/12/1994
शुक्रवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 13:00:00	जन्म समय	02:00:00 घंटे
घटी 14:33:11	जन्म समय(घटी)	47:17:24 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:43	सूर्योदय	07:05:02
17:29:02	सूर्यास्त	17:25:24
23:47:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:23

विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 3मा 25दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 0वर्ष 8मा 30दि	
चन्द्र		22:16:36	मीन	लग्न	कन्या	21:10:20	चन्द्र	
18/04/2024		07:26:44	धनु	सूर्य	वृश्चि	27:49:16	13/09/2021	
18/04/2034		07:00:45	सिंह	चंद्र	मेष	11:54:24	13/09/2031	
चन्द्र	16/02/2025	08:11:16	सिंह	मंगल	सिंह	06:31:25	चन्द्र	14/07/2022
मंगल	17/09/2025	12:38:45	धनु	बुध	वृश्चि	27:39:51	मंगल	12/02/2023
राहु	19/03/2027	09:09:47	वृश्चि	गुरु	वृश्चि	07:09:38	राहु	13/08/2024
गुरु	18/07/2028	22:34:53	तुला	शुक्र	तुला	15:44:38	गुरु	13/12/2025
शनि	16/02/2030	13:31:38	कुंभ	शनि	कुंभ	12:54:48	शनि	14/07/2027
बुध	19/07/2031	19:46:08	तुला व	राहु	तुला	20:37:57	बुध	13/12/2028
केतु	17/02/2032	19:46:08	मेष व	केतु	मेष	20:37:57	केतु	14/07/2029
शुक्र	17/10/2033	01:11:30	मक	हर्ष	मक	00:41:05	शुक्र	15/03/2031
सूर्य	18/04/2034	28:27:35	धनु	नेप	धनु	28:07:49	सूर्य	13/09/2031
		05:26:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	05:05:40		

लग्न-चलित

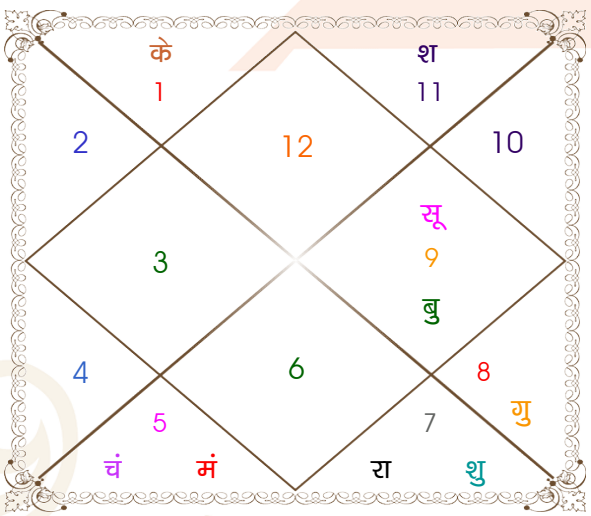

लग्न-चलित

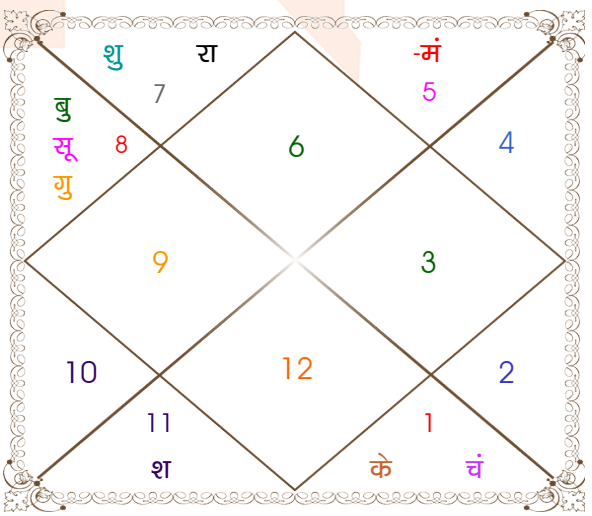

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

। का वर्ग मूषक है तथा K का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार । और K का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

K मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि । कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल । कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

। तथा K में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।